भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3795

सोमवार, 16 मार्च, 2026/25 फाल्गुन, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत विरासत परिपथ का विकास

†3795. श्री कुंदुरु रघुवीरः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के अंतर्गत कुतुब शाही विरासत पार्क, पैगाह मकबरे, हयात बख्शी मस्जिद और रेमंड का मकबरा को शामिल करते हुए विरासत परिपथ के विकास को मंजूरी दी है;

(ख) अब तक संस्वीकृत, जारी की गई और उपयोग की गई कुल निधि का घटक-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) प्रत्येक स्थल पर जीर्णोद्धार, अवसंरचना विकास और संरक्षण कार्यों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(घ) क्या सरकार ने समेकित निष्पादन के लिए तेलंगाना राज्य सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और अन्य विरासत निकायों के साथ समन्वय किया है; और

(ङ) इस परियोजना के पूरा होने की संभावित समय-सीमा क्या है, कितना रोजगार सृजन होने और कितने पर्यटकों के आगमन का अनुमान है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): जी हां, पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2017-18 में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत "कुतुब शाही विरासत पार्क, पैगाह मकबरे, हयात बख्शी मस्जिद और रेमंड के मकबरे का विकास" नामक परियोजना को 96.90 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत के साथ मंजूरी दी थी। इसमें से 70.61 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं और कार्यान्वयन एजेंसी तेलंगाना पर्यटन विकास निगम (टीजीटीडीसी) द्वारा इसका उपयोग किया जा चुका है।

तेलंगाना राज्य सरकार ने सूचित किया है कि पैगाह मकबरे, हयात बख्शी मस्जिद और रेमंड के मकबरे आदि पर निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और ये स्थल जनता के लिए खुले हैं। पर्यटन मंत्रालय परियोजना की स्थिति के बारे में विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के साथ नियमित रूप से समन्वय करता है। इसके अलावा, मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना मार्च 2026 तक स्वीकृत है।

मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ने और पूर्ण परियोजनाओं के सुदृढ़ संचालन एवं रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि, पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो, स्थानीय रोजगार सृजित हो और पर्यटको की समग्र संतुष्टि में सुधार हो।

****